

10-1-19

पञ्जाबली पेश हुई। वकीलवादी उपासक हैं।
 पञ्जाबली का अवलोकन किया गया तो
 लगभग 1 वर्ष 10 माह में वारी द्वारा लखनी
 हुए लखाना सम्मन पेश नहीं किया है
 इस अवधि में वारी को कई अवसर दिये
 गये, फिर मानिस अवसर भी दिये गये
 परन्तु आज तक भी लखाना सम्मन
 पेश नहीं किये हैं इस वारीगणों का वाद
 09 12-5 में खारिज किया गया। पञ्जाबली
 फैसल सुनार टोकर दूजे नम्बर से कम हो।
 आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया।

सत्यमेव जयते

उप खण्ड अधिकारी
 साँभर लोक

Web Copy - Not Official